उज्जैन वासियों के लिए अच्छी खबर

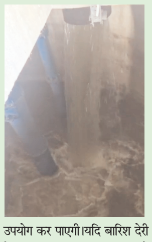

उज्जैन जिला ब्यूरो प्रमुख। जवाहर डोसी पीयूष। नागरिकों को अब भीषण गर्मी में जल संकट नहीं झेलना होगा।सीएम डॉक्टर मोहन यादव के निर्देश और जिला प्रशासन के प्रयासों से जल निगम की पाइप लाइन से नर्मदा का पानी उज्जैन पहुंच गया है। जल निगम के महाप्रबंधक घनश्याम उपाध्याय के अनुसार गंभीर डेम में बने इंटेक वेल पर नर्मदा का पानी आना शुरू हो गया है।अब श्ध्द्ध्द्व विभाग पेयजल सप्लाई में इसका उपयोग कर पाएगी।यदि बारिश देरी से भी हुई तो भी नागरिकों को प्रतिदिन पेयजल का वितरण किया जा सकेगा।

ठाकुर जी के सांझी मनोरथ का हुआ आयोजन

आगर मालवा। पुष्टीमार्गीय वैष्णव परिषद शाखा आगर के तत्वाधान में सत्यनारायण गली स्थित अस्तल के मंदिर में पुरुषोत्तम मास के द्वादश दिवस ठाकुर जी का सांझी का मनोरथ बड़े उत्साह और आनंद के साथ मनाया गया। श्रीठाकुर जी के सांझी मनोरथ को लेकर मनोरथ करता देसाई परिवार के द्वारा रंग-बिरंगे फूलों और पत्तियों से बहुत ही आकर्षक सांझी बनाई गई ओर प्रभु श्रीनाथ जी का सांझी की कलाकृति के साथ सुंदर श्रृंगार किया गया सांझी मनोरथ मंडली में परम भगवतीय वैष्णव देसाई परिवार एवं वैष्णव भक्तों के द्वारा ढोलक की थाप और मजीरे की झंकार के साथ श्री ठाकुर जी के सांझी मनोरथ के उपर मधुर कीर्तन एवं भजनों की प्रस्तुति दी गई इस दौरान सैकड़ो की संख्या में उपस्थित श्रीनाथजी के भक्त भक्ति संगीत की रस धारा से ओतप्रोत हो गए मनोरथ कार्यक्रम के समापन पर कार्यक्रम के मनोरथी परिवार एवं उपस्थित वैष्णव भक्तों ने बड़े भक्ति भाव से प्रभु श्रीनाथजी की आरती कर उनकी अलौकिक लीलाओं का गुणगान किया आरती के पश्चात मनोरथी देसाई परिवार के द्वारा ठाकुर जी को भोग सराकर उपस्थित वैष्णव भक्तों को महाप्रसाद का वितरण किया गया द्य इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित महिला एवं पुरुष वैष्णव जनों ने श्री ठाकुर जी के दिव्य दर्शन का लाभ लिया इस अवसर पर वैष्णव परिषद के पदाधिकारीयो के द्वारा मनोरथी देसाई परिवार के सदस्यों का उपरना उड़ा कर स्वागत सम्मान किया गया।

फूल माली समाज जिला पंचायत की बैठक 31 मई को ब्यावरा में

सारंगपुर। फूल माली समाज जिला पंचायत राजगढ़ चाचौड़ा की बैठक पुष्पद मैरिज गार्डन अंजनी लाल रोड ब्यावरा में रखी गई है। जिसमें जिले में समाज के नियम सहित ठोस निर्णय लिए जाएंगे जिससे समाज में एकता आ सके। बैठक में फूल माली समाज की समस्त पंचायत के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के सदस्य आवश्यक रूप से उक्त बैठक में उपस्थित रहने की अपील की हे क्योंकि यह बैठक एक बहुत ही विचारणीय है और समाज के विकास के लिए अहम बैठक है यह बैठक समाज के लिए एक निर्णायक बैठक होगी जिसमें समाज की दशा और दिशा दोनों बदलेंगे जिसमें समाज सब लोगों के अच्छे विचार समाज को आगे ले जाने के विचार आमंत्रित हे समाज कैसे विकास करें आखिर समाज में गुटबाजी कैसे खत्म हो आदि मुद्दों पर चर्चा होगी जिसमें समाज सेवियों पंचायत अध्यक्षों पंचायत के पदाधिकारी और जिला पंचायत के समस्त पदाधिकारी से जिला पंचायत फूल माली समाज के जिला अध्यक्ष संतोष पुष्पद सारंगपुर महासचिव महेश पुष्पद राजगढ़ जिला संयोजक जगदीश पुष्पद राजगढ़ शिवनारायण पुष्पद काका सारंगपुर सीताराम मालाकार जीरापुर पवन मालाकार गागोनी कैलाश सुमन मलावर रमेश पुष्पद नरसिंहगढ़ सुनील पुष्पद पचोर अध्यक्ष संतोष पुष्पद अध्यक्ष उड़नखेड़ी मनोज मालाकार अध्यक्ष खिलचीपुर दिनेश सुमन मलावर ने सभी समाज अध्यक्षों समाजसेवियों से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर अपने विचार रखने की अपील की हे

वही फूल माली पंचायत ब्यावरा के अध्यक्ष व सदस्यों के द्वारा एक आवेदन जिला पंचायत फूल माली समाज को अध्यक्ष व सारंगपुर पंचायत के अध्यक्ष को दिया गया है जिसमें ब्यावरा पंचायत में कुछ बिंदुओं को लेकर आपसी में मन मुटाव हो गया था उस मामले में सभी मिलजुल कर बैठक पारदर्शिता से निर्णय लेकर समाज को एकजुट करने पर विचार विमर्श किया जाएगा।

परमात्मा से हमेशा ऐसी प्रार्थना करना कि प्रभु सुख इतना देना कि पाँव ना छूटे और दुख इतना देना कि गाँव ना छूटे

सुख-दुख में समभाव रखें और सब कुछ परमात्मा को समर्पित कर दें : संत कमल किशोर नागर

आष्टा। स्थानीय नवीन मंडी प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिवस पर मालवा माटी के संत कमल किशोर नागर महाराज ने श्रद्धालुओं को जीवन जीने के सरल और आध्यात्मिक सूत्र बताए। कथा पंडाल में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में संतश्री ने कहा कि सुख और दुख जीवन चक्र का हिस्सा हैं, जो समय-समय पर आते-जाते रहते हैं। मनुष्य को हर परिस्थिति में समभाव रखते हुए स्वयं को परमात्मा के चरणों में समर्पित कर देना चाहिए।

संतश्री ने कहा कि जब मनुष्य हर परिस्थिति को ईश्वर की इच्छा मानकर स्वीकार कर लेता है, तब उसके भीतर अद्भुत शांति का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि सुख में अहंकार और दुख में निराशा त्याग देने से जीवन सहज और आनंदमय बन जाता है।

अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में संतश्री ने कहा ÷परमात्मा से हमेशा ऐसी प्रार्थना करना कि प्रभु सुख इतना देना कि पाँव ना छूटे और दुख इतना देना कि गाँव ना छूटे।÷

उन्होंने कहा कि अत्यधिक सुख मनुष्य को मार्ग से भटका देता है, जबकि अत्यधिक दुख उसे तोड़ देता है। इसलिए जीवन में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। परमात्मा मनुष्य को वही परिस्थितियां देता है, जो उसके जीवन को सही दिशा देने में सहायक हों। संतश्री ने श्रद्धालुओं से कहा कि दुख आने पर घबराना नहीं चाहिए और सुख मिलने पर स्वयं को सबसे बड़ा नहीं समझना चाहिए। यदि व्यक्ति हर परिस्थिति में समभाव रखे और सब कुछ प्रभु को समर्पित कर दे, तो कोई भी दुख उसे विचलित नहीं कर सकता और कोई भी सुख उसे भटका नहीं सकता।

सत्संग का प्रभाव कभी व्यर्थ नहीं जाता– कथा के दौरान संत कमल किशोर नागर महाराज ने कहा कि

नवीन मंडी प्रांगण में श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिवस उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, हवा आँधी भी श्रद्धालुओं की आस्था को नहीं हिला पाई, हजारों श्रद्धालुओं ने धूप में कथा श्रवण की, पांडाल भी छोटा पड़ा

एक कथा सुनने से कोई व्यक्ति तुरंत सुधरे या नहीं, लेकिन सत्संग और कथा का प्रभाव कभी व्यर्थ नहीं जाता। एक न एक दिन मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन अवश्य आता है।

उन्होंने कहा कि कथा केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारना ही सच्चा धर्म है। सत्संग मनुष्य को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है।

परिवार और संस्कारों का महत्व बताया– परिवार और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरुदेव ने कहा ÷घर के बाबा-ओं की सुनो, बाहर के बाबाओं से सावधान रहो। उन्होंने कहा कि परिवार के बुजुर्ग ही हमारे प्रथम गुरु होते हैं। दादा-दादी और परिवार के वरिष्ठजनों का सम्मान करना भारतीय संस्कृति की पहचान है। उन्होंने कहा ÷अपने दादा को बाबा बना लो, वही सबसे बड़े संत हैं।÷

मंदिर हमारी संस्कृति और आस्था के केंद्र– संतश्री ने कहा कि श्रीहरि की कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। यदि उनकी कृपा हो जाए तो सब संभव है और यदि कृपा न हो तो कुछ भी संभव नहीं। उन्होंने वर्तमान समय की परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों की व्यस्तता इतनी बढ़ गई है कि मंदिरों में पहले जैसी भीड़ दिखाई नहीं देती। कई स्थानों पर स्थिति ऐसी हो गई है कि पुजारियों को मशीनों और इलेक्ट्रॉनिक घंटियों के सहारे आरती करनी पड़ रही है। संतश्री ने कहा कि मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और संस्कारों के केंद्र हैं। यदि प्रतिदिन मंदिर जाना संभव न हो तो सप्ताह में एक-दो बार अवश्य मंदिर जाना चाहिए। मंदिरों की आरती, घंटियों की मधुर ध्वनि और भक्ति का वातावरण मन को शांति प्रदान करता है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि पहले भक्तों के हाथों से बजने वाली घंटियों में जो श्रद्धा और आत्मीयता होती थी, उसकी बात ही अलग थी। इसलिए अपनी संस्कृति, परंपरा और आस्था को जीवित रखने के लिए मंदिरों से जुड़े रहना आवश्यक है।

अंत में संतश्री ने कहा– ÷मंदिरों में केवल दीपक नहीं, श्रद्धा भी जलती रहनी चाहिए।÷ कथा के दौरान संतश्री के ओजस्वी वचनों को सुन श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरे कथा पंडाल में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ धर्मलाभ प्राप्त किया तथा गुरु वचनों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

इसे कहते हैं मैनेजमेंट– नई कृषि उपज मंडी में चल रही पंडित कमल किशोर जी नागर की श्रीमद भागवत कथा के दौरान आज तेज हवा आंधी चली, तो बीच में लगे टेंटों के ऊपर का भाग उड़ा तत्काल कथा व्यवस्था समिति की टीम तथा टेंट वाले के लड़कों ने उसे तत्काल ठीक कर दिया। लोगों ने कहा कि इसे ही कहते हैं। सही मैनेजमेंट। कथा भी अनवरत चलती रही और हवा आंधी भी श्रद्धालुओं की आस्था को नहीं डिगा पाई।

भगवान तो जीते जी ही मिलता है, मरने के बाद तो कर्मों की सजा भोगनी पड़ती है

उज्जैन, (जितेंद्र प्रजापत दैनिक इंदौर समाचार)।

मध्य प्रदेश परम् पूज्य परम् सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अपने सतसंग में कहा कि यह मनुष्य शरीर किस काम के लिए मिला है, यही चीज लोगों को समझ में नहीं आती है क्योंकि सतसंग नहीं मिलता है। इस चीज की जानकारी कराने वाले नहीं मिलते हैं। बिजनेस–व्यापार, दुकानदारी, खेती सिखाने वाले, नौकरी दिलाने वाले और अन्य कामों के लिए तो लोग मिल जाते हैं लेकिन ऐसे लोग नहीं मिलते हैं जो मनुष्य शरीर के बारे में बताए, आत्मा–परमात्मा के बारे में बताए।

इन चीजों की जानकारी तो सतसंगों में होती है। जब सन्त इस धरती पर आते हैं तो जीवों को इकट्ठा करके सुनाते-बताते हैं तब जीवों को हर तरह की जानकारी होती है। यह मनुष्य शरीर किराए के मकान की तरह से है। जैसे किराए के मकान को एक दिन छोड़ना पड़ता है क्योंकि मकान मालिक को जब भी जरूरत होती है तो वह मकान खाली करा देता है तो दूसरे के मकान का कोई भरोसा नहीं है। यह मनुष्य शरीर रूपी मकान किसका है? जिसने मां के पेट में इसको नौ महीने में बना कर के तैयार किया है, उसका है और जब वह चाहेगा तब इसको खाली करा लेगा। कहा ना कि, रे मन मुसाफ़िर निकलना पड़ेगा, काया कुटी खाली करना पड़ेगा तो इस काया कुटी को खाली कर देना पड़ेगा।

यह मनुष्य शरीर विषय-वासनाओं के लिए नहीं बल्कि भगवान के भजन के लिए, उनको पाने के लिए मिला है। जब इस मनुष्य शरीर को खाली करना ही करना है तो आप यह सोचो कि जब उसको खाली करोगे तब यह आपकी आत्मा, जो इस शरीर को चला रही है, इससे बुलवा रही है, इससे सब काम करवा रही है, वह कहां जाएगी? वह तो फंस जाएगी। वह तो नरकों में चली जाएगी, मार खाएगी, चौरासी में चक्कर काटेगी। आपको यह मनुष्य शरीर इसीलिए मिला है कि इसके रहते-रहते आप अपनी आत्मा को परमात्मा तक पहुंचा दो। यह आपको इसलिए नहीं मिला है कि आप सिर्फ खाओ, शौच जाओ, बच्चा पैदा करो और इस दुनिया संसार से चले जाओ।

एहि तन कर फल विषय न भाई, स्वर्गउ स्वल्प अंत दुखदाई

यह विषय-वासनाओं के लिए नहीं बल्कि भगवान के भजन के लिए, उनको पाने के लिए मिला है।

देवी-देवता एवं ऊपरी लोकों के जीव मनुष्य शरीर को क्यों मांगते रहते हैं?

सोचो! अगर आपको दुनिया बनाने वाला मिल जाए तब क्या आपको कोई चीज की कमी रहेगी? नहीं रहेगी। तो एक काम यही क्यों ना कर लिया जाए कि जीते जी भगवान को पा लिया जाए। क्योंकि भगवान तो जीते जी ही मिलता है, मरने के बाद तो लोग केवल चिट्ठी लिखते हैं कि हमारे पिताजी का, दादाजी का स्वर्गवास हो गया। लेकिन क्या किसी ने यह देखा है कि दादाजी कहां गए? बस अंदाजा लगाते हैं। अब उनको क्या पता है कि कर्मों की सजा भोगनी पड़ती है। कर्मों के अनुसार दूसरी योनि मिलती है। स्वर्गवास तो कर्मों के अनुसार हो सकता है लेकिन उनको फिर इसी मनुष्य शरीर में आना पड़ता है। स्वर्ग में रहने वाले देवता, आद्या लोक, ईश्वर लोक, ब्रह्म लोक, पारब्रह्म लोक में रहने वाले जीव इस मनुष्य शरीर को मांगते रहते हैं। उनकी बराबर यह इच्छा बनी रहती है कि हमको एक बार यह मनुष्य शरीर मिल जाए, जिससे हम अपना काम बना लें; अपनी आत्मा को परमात्मा तक पहुंचा दें क्योंकि मुक्ति-मोक्ष का दरवाजा इसी मनुष्य शरीर में है।

अपर जिला मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 3 खाद्य कारोबारियों पर लगाया डेढ़-डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना

आगर-मालवा। अपर जिला मजिस्ट्रेट एवं पदेन न्याय निर्णयन अधिकारी, आरपी वर्मा द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के विभिन्न प्रकरणों में दोषी पाए जाने पर जिले के तीन खाद्य कारोबारियों पर डेढ़-डेढ़ लाख रुपए की अर्थदंड राशि अधिरोपित की गई है। प्रथम प्रकरण में बड़ौद स्थित बीकानेर नमकीन एंड स्वीट्स के संचालक मुकेश सिंह राजपुरोहित के प्रतिष्ठान से 24 अक्टूबर 2024 को मावा लूज़, चमचम एवं मावा कतली के नमूने जांच हेतु लिए गए थे। जांच में चमचम एवं मावा कतली के नमूने मानक पाए गए, जबकि मावा का नमूना बी.आर. रीडिंग अधिक होने के कारण अवमानक पाया गया। इस पर न्यायालय द्वारा 1 लाख 50 हजार रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। इसी प्रकार द्वितीय प्रकरण में 27 जनवरी 2025 को होटल महाराजा, आगर के निरीक्षण के दौरान संचालक मुकेश गवली पिता दुलीचंद गवली निवासी बड़ा गवलीपुर , आगर बिना खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन के वेज एवं नॉन-वेज होटल संचालन करते पाए गए। निरीक्षण में खाद्य सामग्री का अवैध निर्माण, संग्रहण, प्रदर्शन एवं विक्रय किया जाना पाया गया। प्रकरण में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 31(2) के उल्लंघन पर एफएसएसए 2006 की धारा 55 एवं 58 के तहत दोषी पाए जाने पर न्यायालय ने 1 लाख 50 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया। तृतीय प्रकरण में साल्याखेड़ी निवासी रामलखन पाटीदार द्वारा सोयत नगर बस स्टैंड क्षेत्र में थोक स्तर पर चाय, घी, दाल एवं चावल का कारोबार संचालित किया जा रहा था। जांच के दौरान करतार प्योर घी एवं खुली चाय के नमूने लिए गए। परीक्षण में चाय का नमूना मानक तथा करतार प्योर घी का नमूना अवमानक स्तर का पाया गया। मामले में एडीएम कोर्ट में प्रकरण दर्ज किया गया था। दोनों पक्षों की सुनवाई उपरांत न्यायालय द्वारा 1 लाख 50 हजार रुपए की अर्थदंड राशि अधिरोपित की गई। उक्त तीनों प्रकरणों में कार्रवाई तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी आगर एल. कुम्भकार द्वारा की गई थी। तीनों प्रकरणों में अधिरोपित अर्थदण्ड राशि 15 दिवस के भीतर जमा करानी होगी। निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने पर संबंधित तहसीलदार के माध्यम से भू-राजस्व संहिता एवं अधिनियम की धारा 96 के तहत वसूली एवं कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जुर्माना राशि जमा होने तक संबंधित खाद्य अनुज्ञप्ति एवं पंजीयन निलंबित रहेंगे।

समान नागरिक संहिता पर जनमानस से परामर्श/सुझाव आमंत्रित

वेबसाईड पर 15 जून 2026 तक दे सकते है अपना सुझाव

आगर–मालवा। राज्य शासन द्वारा विवाह, भरण पोषण, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार एवं अन्य परिवार संबंधित कानूनों से संबंधित विधिक, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में उपयुक्त अनुशंसाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। इस उद्देश्य से ही उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है विस्तृत अध्ययन के उद्देश्य से समान नागरिक संहिता के संबंध में उपयुक्त अनुसंधान प्रस्तुत करने के लिए यह समिति महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जनपरामर्श के सुझाव प्राप्त करने हेतु वेबसाइट https://ucc.mp.gov.in/ तैयार की गई है। जिस पर जनमानस से सुझाव सुगमता से प्राप्त किए जा सकेंगे। सुझाव देने की तिथि 22 मई से आगामी 15 जून 2026 तक निर्धारित की गई है। जिले के नागरिक उक्त वेबसाईड के माध्यम से समान नागरिक संहिता पर अपना परामर्श/सुझाव भेज सकते है।

बशीर बद्र को श्रद्धांजली

महिदपुर। उर्दू के मशहूर शायर पद्मश्री बशीर बद्र जी के निधन पर श्री महारानी चन्द्रावती वाचनालय परिवार द्वारा अध्यक्ष त्रिलोक सोलंकी की अध्यक्षता में शोक सभा आयोजित की गई जिसमें शायर बशीर बद्र की जीवनी पर एवं उनके उर्दू साहित्य में योगदान पर प्रकाश डाला गया।शोकसभा में प्रमुख रुप से आर.सी.ठाकुर,अशोक पाठक, ऋषभ जैन,दिलीप बोथरा,जयराम गेहलोत, रामचन्द्र शर्मा,राजेन्द्र गोयल,जगदीश ज्वलंत आदि उपस्थित थे।तत्पश्चात दो मिनिट मौन रहकर उन्हे श्रद्धासुमन अर्पित किए।यह जानकारी संस्था सचिव संदीप चौहान ने दी। एक अन्य कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी जवाहर डोसी और जैनेंद्र खेमसरा ने भी अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि उनके शेर और गजलों के माध्यम से दी।

श्री कृष्ण सुदामा की मित्रता प्रेम और त्याग की मिशाल : आचार्य व्यास

सारंगपुर। सच्चा मित्र वही होता है जो अपने मित्र के दुख को अपना दुख समझे ओर विकट परिस्थिति एवं संकट के समय में अपने मित्र के काम आए वही असली मित्रता हे श्री कृष्ण सुदामा की मित्रता सच्ची मित्रता प्रेम और त्याग की मिशाल हे यह बात शर्मा परिवार द्वारा श्री बालाजी गार्डन मे आयोजित श्री मद भागवत के समापन अवसर पर शुक्रवार को प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य पंडित रामप्रसाद व्यास ने उपस्थित श्रोताओं के मध्य कही।उन्होंने कथा मे श्री कृष्ण सुदामा मित्रता की कथा को विस्तार से बताते हुए कहा

श्री कृष्ण और सुदामा ने महर्षि सांदीपनी के आश्रम में एक साथ शिक्षा प्राप्त की वे दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब थे एक बार जंगल में लकड़ी लाते समय, सुदामा ने कृष्ण को बिना बताए कुछ चने खा लिए थे शिक्षा पूरी होने के बाद दोनों अपने-अपने जीवन में व्यस्त हो गए जहाँ कृष्ण द्वारिका के राजा बने, वहीं सुदामा अत्यधिक गरीबी में जीवन बिताने लगे अंत में श्री कृष्ण ने सुदामा को बगैर मांगे सब कुछ दे दिया उन्होंने कथा में परीक्षित को मोक्ष प्राप्ति, भगवान श्रीकृष्ण के गोलोक गमन का मार्मिक प्रसंग सुनाया समापन पर हवन यज्ञ, पूर्णाहुति महाआरती व महा प्रसादी वितरण कर कथा का समापन हुआ।

कथावाचक का किया सम्मान– कथा के समापन दिवस पर महादेव मित्र मंडल अध्यक्ष ओम पुष्पद के नेतृत्व में कथावाचक का दुपट्टा एवं माला पहना कर तथा सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा अध्यक्ष आशुतोष वेध के नेतृत्व में सम्मान पत्र भेंट कर आचार्य का सम्मान किया वही पालीवाल परिवार द्वारा ललित पालीवाल के नेतृत्व में आयोजक परिवार का सम्मान किया कार्यक्रम का संचालन एवं सम्मान पत्र का वाचन पंडित सत्यनारायण शर्मा ने किया तथा आभार अरविंद शर्मा ने माना। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल पर्यावरण प्रेमी लक्ष्मीनारायण त्रिकार प्रेमशंकर पांडे जगदीश कुम्भकार जितेन्द्र सोलंकी कमल पुष्पद गुंजन सोनी प्रदीप शर्मा मनोहरलाल कलजोरिया डां के के शर्मा सहित बडी संख्या में श्रोता गण उपस्थित थे।

चोमा सेक्टर की मासिक बैठक संपन्न, योजनाओं की समीक्षा के साथ सहायिका राधा राजपूत को दी विदाई

मोहन बड़ोदिया / चोमा सेक्टर की मासिक बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक में शासन के निर्देशानुसार आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में सेक्टर सुपरवाइजर आशा जांगड़े ने सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केंद्र समय पर खोले जाएं तथा पोषण ट्रैकर एवं संपर्क ऐप में दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक प्रविष्टियां नियमित रूप से दर्ज की जाएं। साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के पात्र हितग्राहियों के आवेदन समय पर ऑनलाइन किए जाएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। बैठक में गर्भवती एवं धात्री माताओं की नियमित निगरानी करने, प्रत्येक माह 11 से 20 तारीख के बीच पांच वर्ष तक के सभी बच्चों का वजन लेकर उनकी वृद्धि की निगरानी करने तथा अति गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराने हेतु अभिभावकों को उचित सलाह एवं परामर्श देने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर ग्राम जावदी की आंगनबाड़ी सहायिका राधा राजपूत के मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में चयन होने पर उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही आंगनबाड़ी सहायिका पद से उनकी विदाई कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। बैठक में सेक्टर सुपरवाइजर आशा जांगड़े सहित सेक्टर की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहीं।